

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

समक्ष : एम०के०सिंह

सदस्य

अपील प्रकरण क्रमांक 2179-दो/2005 - विरुद्ध आदेश दिनांक
31-1-1997 - पारित द्वारा - अपर आयुक्त, सागर संभाग,
सागर - प्रकरण क्रमांक 78 अ-20/1994-95 अभ्यावेदन

मध्य प्रदेश शासन द्वारा कलेक्टर

जिला दमोह, मध्य प्रदेश

---अपीलांत

विरुद्ध

रमेश कुमार पुत्र एच०डी०नाथानी

साकिन पक्का सिंधी कॅंप, दमोह

---रिस्पाण्डेन्ट

(अपीलांत की ओर से चैनल लायर श्री बी०एन०त्यागी)

(रिस्पाण्डेन्ट की ओर से अभिभाषक श्रीमती रजनी वशिष्ठ शर्मा)

आ दे श

(आज दिनांक 6-7-2016 को पारित)

यह अपील अपर आयुक्त, सागर संभाग, सागर द्वारा प्रकरण क्रमांक 78 अ-20/1994-95 अभ्यावेदन में पारित आदेश दिनांक 31-1-1997 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 44 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि रिस्पाण्डेन्ट ने कलेक्टर दमोह को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर नगर दमोह स्थित प्लाट क्रमांक 287 शीट नंबर 54 का स्थायी पट्टा प्रदान करने प्रार्थना की। कलेक्टर दमोह ने प्रकरण क्रमांक 231 अ-20 (1) 1993-94



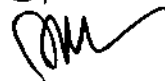


पंजीबद्ध किया तथा रिस्पाण्डेन्ट के आवेदन की जाँच कराकर आदेश दिनांक 30-6-1994 पारित किया तथा रिस्पाण्डेन्ट का आवेदन निरस्त कर दिया। इस आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, सागर संभाग, सागर के समक्ष अभ्यावेदन प्रस्तुत करने पर प्रकरण क्रमांक 78 अ-20/1994-95 अभ्यावेदन में पारित आदेश दिनांक 31-1-1997 से अभ्यावेदन स्वीकार कर कलेक्टर दमोह का आदेश दिनांक 30-6-94 निरस्त किया गया एवं प्रकरण रिस्पा0 को स्थाई पट्टा स्वीकृत करने हेतु प्रत्यावर्तित किया गया। इसी आदेश के विरुद्ध यह अपील प्रस्तुत की गई है।

3/ अपील मेमो में अंकित आधारों पर उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्क सुने तथा उपलब्ध अभिलेख का अवलोकन किया गया।

4/ उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं अपील मेमो के अवलोकन से स्थिति यह है कि कलेक्टर दमोह द्वारा मूल प्रकरण राजस्व पुस्तक परिपत्र चार-1 के अंतर्गत विचार कर आदेश दिनांक 30-6-1994 पारित किया है, जिसके विरुद्ध रिस्पाण्डेन्ट ने राजस्व पुस्तक परिपत्र चार-1 की कंडिका 18 के अंतर्गत अपर आयुक्त सागर संभाग, सागर के समक्ष अभ्यावेदन प्रस्तुत किया है जबकि अपीलांत के अभिभाषक ने अपर आयुक्त, सागर संभाग, सागर के आदेश दिनांक 31-1-1997 के विरुद्ध राजस्व मण्डल में मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 44 के अंतर्गत अपील प्रस्तुत की है।

“राजस्व पुस्तक परिपत्र चार-1 की कंडिका 18 में पारित आदेशों के विरुद्ध अभ्यावेदन प्रस्तुत किये जाने के प्रावधान इस प्रकार हैं :-





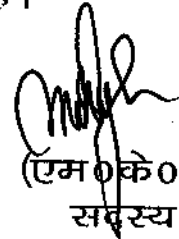
क. किस अधिकारी के आदेश के विरुद्ध किस किस अवधि में
अधिकारी को अभ्यावेदन

- | | |
|---|---------|
| 1- अनुविभागीय अधिकारी अथवा नजूल अधिकारी के आदेश के विरुद्ध कलेक्टर को अभ्यावेदन | 90 दिवस |
| 2- जिलाध्यक्ष के आदेश के विरुद्ध आयुक्त को अभ्यावेदन | 90 दिवस |
| 3- आयुक्त के आदेश के विरुद्ध शासन को अभ्यावेदन | 90 दिवस |

परन्तु कोई भी अभ्यावेदन या आवेदन उस आदेश के जिनके सम्बन्ध में आपत्ति की जाये, आदेश दिनांक से 90 दिवस व्यतीत होने के पश्चात् कलेक्टर, आयुक्त या राज्य शासन को नहीं प्रस्तुत किया जायेगा। ”

अपर आयुक्त, सागर संभाग, सागर के आदेश दिनांक 31-1-1997 के विरुद्ध यह अपील राजस्व मण्डल में 26-12-2005 को प्रस्तुत है, जो अप्रचलशील होने से गुणदोष पर विचार किये बिना निरस्त की जाती है।

f
2/12



(एम0के0सिंह)

सदस्य

राजस्व मण्डल

मध्य प्रदेश ग्वालियर